इलेक्ट्रिक वाहनों को मुफ्त चार्जिंग सुविधा देगी बीवाईपीएल

- आज, ऊर्जा संरक्षण दिवस पर बीवाईपीएल ने की इस सुविधा की शुरूआत
- कहा– ऐसे प्रयासों में दिल्ली में घटेगा प्रदूषण का स्तर

नई दिल्ली: 14 दिसंबर, 2009। अगले साल होने जा रहे कॉमनवेल्थ गेम्स को ध्यान में रखते हुए, बीवाईपीएल अब इलेक्ट्रिक/ बैटरी चालित वाहनों को मुफ्त में चार्जिंग सुविधा उपलब्ध कराएगी। इन वाहनों को चार्ज करने में जो बिजली खर्च होगी, उसके लिए वाहन मालिकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। आज, ऊर्जा संरक्षण दिवस पर बीवाईपीएल ने यह जनहितकारी व पर्यावरण हितैषी प्रोजेक्ट लॉन्च किया। कंपनी का कहना है कि इससे दिल्ली में इलेक्ट्रिक/ बैटरी चालित वाहनों के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा और प्रदूषण का स्तर घटेगा। पहले चरण में इलेक्ट्रिक/बैटरी चालित कारों के लिए यह सुविधा दी गई है, लेकिन जल्द ही स्कूटरों व अन्य वाहनों के लिए भी फ्री चार्जिंग सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

कॉमनवेल्थ गेम्स तक बैटरी चालित वाहनों को मुफ्त में यह सुविधा दी जा रही है। फिलहाल तीन स्थानों पर चार्जिंग पोर्ट लगाए जा रहे हैं, जहां इन कारों को बिल्कुल मुफ्त में चार्ज किया जा सकेगा। मध्य व पूर्वी दिल्ली में अन्य कई स्थानों पर भी जल्द ही ऐसे चार्जिंग पोर्ट लगाए जाएंगे। आने वाले दिनों में बीआरपीएल इलाकों में भी उपभोक्ताओं को यह सुविधा दी जाएगी।

आईपी एक्सटेंशन (हसनपुर डिपो के निकट) स्थित 66 केवी ग्रिड स्टोर में आयोजित एक सादे समारोह में इस सुविधा की शुरूआत की गई। किसी भी युटिलिटी कंपनी द्वारा शुरू की गई यह अपनी तरह की पहली सेवा है। इसका उद्घाटन बीवाईपीएल के सीईओ श्री रमेश नाराणन ने किया। सरकार व बीएसईएस के वरिष्ठ अधिकारी भी वहां मौजूद थे। इलेक्ट्रिक/ बैटरी चालित वाहनों को दिल्ली में बढ़ावा देने के लिए बीवाईपीएल ने इलेक्ट्रिक/बैटरी चालित कारें बनाने वाली स्वदेशी लेकिन ग्लोबल कंपनी रेवा के साथ समझौता किया है।

बीवाईपीएल के सीईओ श्री रमेश नारणन ने इस मौके पर कहा– देश व विदेश में बैटरी चालित कारों की अगुआ कंपनी रेवा के साथ समझौता करके बीवाईपीएल गौरवान्वित महसूस कर रही है। कॉमनवेल्थ गेम्स को ध्यान में रखते हुए हम अगले एक साल तक के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बीवाईपीएल लोकेशनों पर फ्री चार्जिंग सुविधा दे रहे हैं।

श्री नारायणन के मुताबिक, ऊर्जा संरक्षण वक्त की जरूरत है और यदि ग्लेबल वॉर्मिंग के खतरों से मुक्ति पानी है, तो ऊर्जा व पर्यावरण संरक्षण ही एकमात्र विकल्प है। मुझे इस बात की खुशी है कि ऐसे प्रयास हो रहे हैं और, इनसे बदलाव जरूर आएगा।

सीईओ ने कहा कि देश में सर्वाधित कारें दिल्ली में हैं, जिनसे बड़े पैमाने पर प्रदूषण फैल रहा है और लोगों को ट्रैफिक जाम से भी रूबरू होना पड़ता है। लेकिन चूंकि यहां एनसीआर के अन्य शहरों के मुकाबले बिजली की स्थिति काफी बेहतर है, इसलिए वह समय आने में देर नहीं है, जब पर्यावरण के प्रति जागरूक दिल्लीवाले ऐसे वाहनों की ओर रूख करेंगे, जो अपेक्षाकृत कम प्रदूषण फैलाते हों।

इधर, ऊर्जा संरक्षण दिवस पर बीवाईपीएल और बीआरपीएल ने उपने लाखों उपभोक्ताओं को एसएमएस भेजकर बिजली बचाने का संदेश दिया। प्रवक्ता के मुताबिक, बीएसईएस के लिए जितना महत्वपूर्ण अपने 25 लाख उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तायुक्त, विश्वसनीय व निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना है, उतना ही जरूरी पर्यावरण की रक्षा भी है। बीएसईएस ऊर्जा संरक्षण को काफी अहमियत देती है। उसके कॉरपोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटी का यह अभिन्न अंग है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870/ 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642/ 9350130304